पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

<u>गीता निष्कार्म कर्म का दर्शन है - राज्यपाल</u>

लखनऊः 24 जून, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज सिटी मान्टेसरी स्कूल गोमती नगर के प्रेक्षागृह में गीता परिवार लखनऊ द्वारा आयोजित संस्कार महाकुंभ का उद्घाटन दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यक्रम में महापौर डॉ0 संयुक्ता भाटिया, सिटी मान्टेसरी स्कूल के प्रबंधक डॉ0 जगदीश गांधी, गीता परिवार के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष डॉ0 संजय मालपाणी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ0 आशु गोयल, प्रदेश संरक्षक मण्डल श्री गिरजाशंकर अग्रवाल सहित संस्था के अन्य पदाधिकारीगण भी उपस्थित थे। गीता परिवार द्वारा आयोजित शिविरों में दीक्षित 1,500 प्रतिभावान बालक-बालिकाओं ने 'संस्कार महाकुंभ' श्रीमद्भगवद्गीता पर आधारित भगवद्गीता गायन व संगीतमय योगसोपान का भाव विभोर प्रस्तुति दी। राज्यपाल ने गीता को कंठस्थ करने वाले बच्चों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया।

राज्यपाल ने कहा कि गीता का एक-एक श्लोक ज्ञान का भण्डार है। गीता निष्कार्म कर्म का दर्शन है। गीता ज्ञान को प्रकाशमान करती है और छिपी शक्ति को स्वतंत्र करती है। उन्होंने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बच्चे अपने धर्म का पालन करें। इस अवस्था के बच्चों का धर्म शिक्षा ग्रहण करना है। जैसे भगवान राम ने पुत्र धर्म, उनके अनुज लक्ष्मण ने भ्राता धर्म तथा माता सीता ने पत्नी धर्म निभाया, उसी तरह बच्चे अपने कर्तव्य को पहचानें। शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए खेल-कूद में प्रतिभाग करें। राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने अपने छात्र जीवन में कक्षा 1 से 11 तक निरन्तर पढ़ाई के साथ-साथ सूर्य नमस्कार का अभ्यास भी किया है।

श्री नाईक ने बताया कि 21 जून को चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। उत्तर प्रदेश में मुख्य कार्यक्रम राजभवन प्रागंण में आयोजित हुआ जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह, मंत्रिमण्डल के सदस्य, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगण, अर्द्धसैनिक बलों के पदाधिकारीगण ने योगाभ्यास किया। योग से मन और तन निरोगी रहता है। उन्होंने बच्चों द्वारा किए गए योग प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि आज के कार्यक्रम में बच्चों ने कमाल कर दिया। राज्यपाल ने कहा कि सफलता प्राप्ति के लिए जीवन में निरन्तर चलते रहना अर्थात् 'चरैवेति! चरैवेति!!' शाश्वत संदेश है।

महाराष्ट्र से पधारे गीता परिवार के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष डॉ0 संजय मालपाणी ने बताया कि गीता परिवार पिछले 19 वर्षों से बच्चों के संस्कार शिविर आयोजित कर रहा है। 19 राज्यों में कार्य विस्तार के साथ सूर्य नमस्कार, भगवद्गीता, प्रज्ञा संवर्धन और संस्कारों के अनेक आयामों में गीता परिवार ने पूरे देश में अनेक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। गीता परिवार बालकों में देशभक्ति, राष्ट्रीयता, चारित्रिक, मानसिक व बौद्धिक उन्नयन करने हेतु प्रतिबद्ध है।

गीता परिवार के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ0 आशु गोयल ने गीता परिवार की स्थापना पर प्रकाश डालते हुए संस्था की गतिविधियों पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम में महापौर डॉ0 संयुक्ता भाटिया, सिटी मान्टेसरी स्कूल के डॉ0 जगदीश गांधी सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। इससे पूर्व मुख्य अतिथियों को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।

अंजुम/ललित/राजभवन (253/30)

CMS
CITY MONTESSORI SCHOOL
CMS
संस्कार महाकुंभ

CMS
CITY MONTESSORI SCHOOL
CMS